खास-खबरें

भोपाल में लॉन्च हुआ सिंटेक्स का 'स्मार्ट' वॉटर टैंक

नप्र, भोपाल: भोपाल में सिंटेक्स ने 100% वर्जिन प्लास्टिक से बना नया 'स्मार्ट' वॉटर टैंक लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि यह टैंक

रिसाइकल्ड प्लास्टिक से होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिमों से बचाते हुए सुरक्षित, स्वच्छ और लंबे समय तक जल भंडारण सुनिश्चित करेगा। इसका ऊंचा डिजाइन कम जगह में अधिक पानी संग्रहित करने की सुविधा देता है, जिससे यह छोटे घरों, अपार्टमेंट, स्कूलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए उपयोगी है। वेलस्पन बीएपीएल लिमिटेड के एमडी यशोवर्धन अग्रवाल ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य हर परिवार तक सुरक्षित जल भंडारण समाधान पहुंचाना है। टैंक 500, 750 और 1000 लीटर क्षमता में उपलब्ध है।

सिंधिया ने की बीएसएनएल की प्रगति और सेवा सुधार की समीक्षा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने भारत संचार निगम लिमिटेड की रणनीतिक समीक्षा एवं योजना बैठक की अध्यक्षता करते हुए वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में देशभर के सभी 28 दूरसंचार क्षेत्रों के कारोबार और परिचालन प्रदर्शन की समीक्षा की। बैठक में सेवा गुणवत्ता और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

पहली तिमाही में सेवाओं की बिक्री से बीएसएनएल की आय 10 प्रतिशत बढ़कर 4,418 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4,017 करोड़ रुपये थी। श्री सिंधिया ने इसे वित्त वर्ष की मजबूत शुरुआत बताते हुए सभी क्षेत्रों से पूरे वर्ष इसी गति को बनाए रखने का आह्वान किया।

बैठक में बताया गया कि बीएसएनएल के दो प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्रों ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। उद्यम कारोबार से पहली तिमाही में 1,745 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19.2 प्रतिशत अधिक है। वहीं उपभोक्ता मोबाइल सेवा से 1,724 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उपभोक्ता स्थिर दूरसंचार सेवा से 960 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

संचार मंत्री ने जम्मू-कश्मीर, झारखंड, उत्तर प्रदेश (पश्चिम) और कर्नाटक दूरसंचार क्षेत्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के विकास का अगला चरण बेहतर ग्राहक अनुभव और परिचालन उत्कृष्टता पर आधारित होना चाहिए। इसके साथ ही सभी क्षेत्रों को सेवा गुणवत्ता से जुड़े मानकों पर विशेष ध्यान देने तथा नेटवर्क की उपलब्धता बढ़ाने और खराबी दूर करने में लगने वाले समय को कम करने के निर्देश दिए।

वन्यजीव तस्करी पर बड़ी कार्रवाई 440 संरक्षित जीव-जंतु और हाथी दांत जब्त

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध देशव्यापी अभियान के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय ने 440 लुप्तप्राय एवं संरक्षित वन्यजीवों तथा लगभग 15 किलोग्राम हाथीदांत और उससे निर्मित वस्तुएं जब्त की हैं। इस अभियान में तस्करी के आरोप में 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक सहित कई राज्यों में कार्रवाई की। राजस्थान के सुजानगढ़ के पास हाथीदांत के अवैध व्यापार का भंडाफोड़ करते हुए लगभग 11 किलोग्राम हाथीदांत बरामद किया गया तथा चार लोगों को पकड़कर आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सौंप दिया गया। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हाथीदांत से बनी देवी-देवताओं की दो मूर्तियां जब्त की गईं, जबकि मैसूर में चार किलोग्राम हाथीदांत बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सात और आठ जुलाई को महाराष्ट्र तथा पश्चिम बंगाल में चलाए गए संयुक्त अभियान में अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया गया। इस दौरान 15 स्लो लोरिस, दो बिंटुरोंग, 28 स्टार कछुए, छह मिस्री गिद्ध तथा दो शिकरा पक्षी बरामद किए गए। मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने भी छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

देश में 60 करोड़ गेमर, मोबाइल खेलों की बदल रही पसंद

सामान्य मुफ्त खेलों से हटकर रणनीति और मुकाबले वाले खेलों की ओर बढ़ा रुझान, बाजार में तेज विस्तार

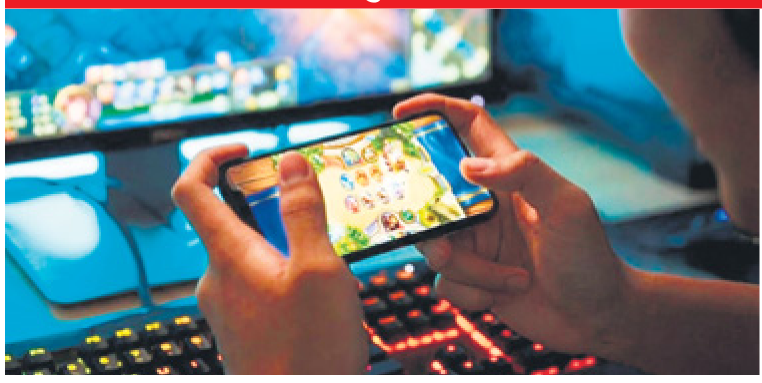

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: देश का मोबाइल खेल बाजार तेजी से बदल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब खिलाड़ी सामान्य और मुफ्त खेलों की जगह मुकाबले तथा रणनीति आधारित खेलों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। इसके चलते खेलों के भीतर होने वाली खरीदारी में भी तेजी आई है। वास्तविक धन पर आधारित खेलों पर सख्ती के बाद खिलाड़ियों का रुझान गैर-सट्टा आधारित खेलों की ओर बढ़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में गैर-सट्टा आधारित खेल बाजार का आकार 10,527 करोड़ रुपये रहा, जो इस वर्ष बढ़कर 14,350 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। वर्ष 2029 तक इसके 23,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। देश में वर्तमान में लगभग 60 करोड़ सक्रिय खिलाड़ी हैं।

वर्ष 2025 में देश में 795 करोड़ मोबाइल खेल डाउनलोड किए गए, जो पूरे एशिया में सबसे अधिक रहे। इसी अवधि में खिलाड़ियों की संख्या में नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि कमाई के मामले में भारत अब भी एशिया में छठे स्थान पर है। पिछले वर्ष खेलों के भीतर खरीदारी से 7,656 करोड़ रुपये की आय हुई। कीमतों को लेकर संवेदनशीलता इसकी प्रमुख वजह मानी गई है। भारतीय खिलाड़ी अब भी मुफ्त खेलों को अधिक पसंद करते हैं। इसी कारण खेलों में दिखाए जाने वाले विज्ञापन कंपनियों की आय का बड़ा स्रोत बने हुए हैं। वर्ष 2025 में केवल खेलों के भीतर विज्ञापनों से 2,871 करोड़ रुपये की आय हुई। पिछले पांच वर्षों में मोबाइल खेलों से होने वाली आय में प्रतिवर्ष 17 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि खेलों के भीतर खरीदारी से होने वाली आय दोगुनी से भी अधिक हो चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार मुकाबले वाले खेलों की श्रेणी में दो प्रमुख खेलों की हिस्सेदारी कुल आय का 94 प्रतिशत है। अधिक ग्राफिक्स और गहराई वाले खेलों की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं निशानेबाजी आधारित खेल सबसे तेजी से बढ़ने वाली श्रेणी के रूप में उभरे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्थानीय भाषा और भारतीय विषयवस्तु वाले खेलों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

आईडीबीआई बैंक में 60.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी सरकार और जीवन बीमा निगम

कनाडा और दुबई की दो प्रमुख कंपनियां दौड़ में, अगले एक महीने में सौदा पूरा होने की उम्मीद

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारत सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम मिलकर आईडीबीआई बैंक में अपनी 60.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रहे हैं। इस रणनीतिक विनिवेश के लिए कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स और दुबई के एमिरेट्स एनबीडी ने बोलियां लगाई हैं। फिलहाल दोनों कंपनियों की बोलियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अगले एक महीने के भीतर यह सौदा अंतिम रूप ले सकता है।

हिस्सेदारी बिक्री की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। सूत्रों के अनुसार सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों के एक पैनल की बैठक हुई, जिसमें इस लेन-देन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में संशोधित बोलियों की जांच की गई और आगे की प्रक्रिया पर विचार किया गया। वर्तमान में मूल्यांकन का कार्य जारी है।

यह प्रस्तावित लेन-देन केंद्र सरकार के रणनीतिक विनिवेश कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। वर्तमान हिस्सेदारी के अनुसार आईडीबीआई बैंक में भारत सरकार के पास 45.48 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम के पास 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

दोनों संस्थाएं अपनी संयुक्त हिस्सेदारी में से 60.7 प्रतिशत हिस्सा बेचने की तैयारी कर रही हैं।

आईडीबीआई बैंक में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में दो प्रमुख विदेशी कंपनियां शामिल हैं। इनमें भारतीय मूल के कनाडाई उद्योगपति प्रेम वत्सा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स तथा दुबई का प्रमुख बैंकिंग समूह एमिरेट्स एनबीडी प्रमुख दावेदार हैं। दोनों कंपनियों ने बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए अपनी-अपनी बोलियां प्रस्तुत की हैं।

वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर इस प्रस्तावित अधिग्रहण का अनुमानित मूल्य लगभग 5.7 अरब डॉलर आंका गया है। जानकारों का मानना है कि यदि यह सौदा पूरा हो जाता है तो यह देश के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े विदेशी निवेशों में से एक होगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार मूल्यांकन की प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है। सभी निर्धारित औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद अगले एक महीने के भीतर हिस्सेदारी बिक्री को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इस बीच विनिवेश से जुड़ी खबरों का असर आईडीबीआई बैंक के शेयरों पर भी दिखाई दिया। बैंक का शेयर तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ 86.48 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुआ। रणनीतिक विनिवेश उस प्रक्रिया को कहा जाता है, जिसमें सरकार किसी सरकारी कंपनी या बैंक में अपनी 50 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी किसी निजी या बाहरी संस्था को बेच देती है और उसके साथ प्रबंधन का नियंत्रण भी खरीदार को सौंप देती है। इसका उद्देश्य सरकारी उपक्रमों में निजी निवेश बढ़ाना और कार्यकुशलता में सुधार लाना होता है।

भारत और स्पेन ने आर्थिक साझेदारी मजबूत करने पर जताई सहमति

व्यापार, निवेश, उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की स्पेन यात्रा के दौरान भारत और स्पेन ने व्यापार, निवेश, औद्योगिक सहयोग, नवाचार तथा जन-सामुदायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर द्विपक्षीय रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई बैठकों में यह विश्वास व्यक्त किया गया कि मजबूत राजनीतिक संबंधों के आधार पर आर्थिक सहयोग को और विस्तार मिलेगा तथा दोनों देशों के व्यवसायों और निवेशकों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

श्री गोयल ने अपनी आधिकारिक यात्रा के स्पेन चरण के दौरान कई उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लिया। यात्रा का उद्देश्य भारत और स्पेन के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार तथा औद्योगिक सहयोग को नई गति देना रहा। दोनों देश इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। साथ ही भारत-स्पेन द्विभाषी संस्कृति, पर्यटन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष 2026 का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे इस यात्रा का महत्व और बढ़ गया है।

यात्रा के दौरान श्री गोयल ने स्पेन के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री कार्लोस कुएर्पो कैबालेरो के साथ बैठक की। चर्चा में बाजार पहुंच को बेहतर बनाने, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।

दोनों पक्षों ने नए निवेशों को प्रोत्साहित करने और व्यापारिक विश्वास मजबूत करने के लिए त्वरित व्यवस्था का पूर्ण उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही वर्ष के अंत में भारत-स्पेन आर्थिक सहयोग पर संयुक्त आयोग की अगली बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

श्री गोयल ने स्पेन के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री जोर्डी हेरेउ बोहर से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच स्वच्छ ऊर्जा, गतिशीलता, उन्नत विनिर्माण, पर्यटन, मोटर वाहन, रेल तथा स्मार्ट आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस दौरान उद्योग से उद्योग के बीच संपर्क मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

यात्रा के दौरान आयोजित भारत-स्पेन व्यापार मंच में दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योगपति और व्यापारिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा स्पेन की व्यापार एवं निवेश प्रोत्साहन एजेंसी के अधिकारियों के साथ निवेश प्रवाह बढ़ाने, प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करने तथा दोनों देशों के व्यावसायिक संबंधों को और सुदृढ़ बनाने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

एम्वे इंडिया ने पेश किया नया त्वचा सुरक्षा उत्पाद

प्राकृतिक वनस्पति तत्वों से युक्त नया सुरक्षा उत्पाद बाजार में उतारा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: स्वास्थ्य एवं आरोग्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी एम्वे इंडिया ने अपनी प्रीमियम त्वचा देखभाल उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करते हुए आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रीशन मल्टी-डिफेंस यूवी प्रोटेक्ट बाजार में उतारने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार यह नया उत्पाद न्यूट्रीलाइट से प्राप्त वनस्पति तत्वों से तैयार किया गया है और आधुनिक जीवनशैली में त्वचा को विभिन्न पर्यावरणीय प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। कंपनी का कहना है कि इस श्रृंखला में प्राकृतिक तत्वों और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक का संतुलित समावेश किया गया है, जिससे त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में सहायता मिलती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने कहा कि उपभोक्ता अब ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनकी प्रभावशीलता वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो। कंपनी के अनुसार यह उत्पाद पराबैंगनी किरणों, नीली रोशनी, अवरक्त किरणों तथा अन्य बाहरी प्रभावों से त्वचा की सुरक्षा में सहायक है। इसके निर्माण में जिंक ऑक्साइड, टाइटेनियम डाइऑक्साइड, अनार का अर्क तथा अन्य प्राकृतिक तत्वों का उपयोग किया गया है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट सेंसेक्स 561 अंक टूटा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट का रुख रहा। सेंसेक्स 561 अंक टूटकर 77,055 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 159 अंक की गिरावट के साथ 24,052 पर आ गया। कारोबार के दौरान वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट और बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली। वहीं औषधि, स्वास्थ्य सेवा और धातु क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा।

इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी दर्ज की गई। कच्चा तेल लगभग दो प्रतिशत महंगा होकर फिर 85 डॉलर प्रति

बैरल के करीब पहुंच गया। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ हुए समझौते को समाप्त बताया गया था, जिसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में फिर तेजी देखी जा रही है। सोमवार से दो कंपनियों के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम भी निवेशकों के लिए खुल गए हैं। इनमें एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट और अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड शामिल हैं।

चांदी 849 रुपये महंगी होकर 2.19 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पहुंची

सोने में गिरावट, चांदी की कीमत में फिर बढ़ोतरी

दस ग्राम सोना 476 रुपये सस्ता

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी महंगी हुई। भारतीय सर्राफा एवं आभूषण संघ के अनुसार 24 कैरेट सोना 476 रुपये घटकर 10 ग्राम के लिए 1.42 लाख रुपये पर आ गया। वहीं एक किलोग्राम

चांदी 849 रुपये महंगी होकर 2.19 लाख रुपये पर पहुंच गई। इस वर्ष सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 31 दिसंबर 2025 को सोने का भाव 1.33 लाख रुपये था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद से अब तक सोना लगभग 34 हजार रुपये सस्ता हो चुका है।

इसी तरह 31 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 3.86 लाख रुपये के अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद 166 दिनों में चांदी की कीमत लगभग 1.66 लाख रुपये घट चुकी है।

स्पेशल खबर

जून में थोक महंगाई 9.87 प्रतिशत और खुदरा महंगाई 4.38 प्रतिशत पर पहुंची,खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी

थोक महँगाई 44 महीने के उच्चतम स्तर पर, रोजमर्रा की वस्तुएं हुईं महँगी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: जून महीने में थोक महँगाई बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले 44 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले मई में यह 9.68 प्रतिशत थी। इससे पहले सितंबर 2022 में थोक महंगाई 10.70 प्रतिशत दर्ज की गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को थोक महंगाई के ताजा आंकड़े जारी किए।

महँगाई बढ़ने का प्रमुख कारण रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी रहा है। यदि फरवरी से अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव कम नहीं हुआ तो इन वस्तुओं की कीमतों में आगे भी वृद्धि होने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले जारी खुदरा महंगाई के आंकड़ों में भी लगातार छठे महीने बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38

प्रतिशत हो गई, जबकि मई में यह 3.93 प्रतिशत थी।

रोजमर्रा की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 4.99 प्रतिशत से बढ़कर 7.00 प्रतिशत हो गई। वहीं खाने-पीने की वस्तुओं से संबंधित महंगाई 4.49 प्रतिशत से बढ़कर 6.14 प्रतिशत पर पहुंच गई। हालांकि ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की थोक महंगाई 30.33 प्रतिशत से घटकर 27.41 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों की महंगाई में कोई बदलाव नहीं हुआ और यह 7.48 प्रतिशत पर स्थिर रही।

थोक महँगाई सूचकांक के चार प्रमुख हिस्से हैं। इनमें प्राथमिक वस्तुओं का भार 22.62 प्रतिशत, ईंधन और ऊर्जा का 13.15 प्रतिशत तथा विनिर्मित उत्पादों का सबसे अधिक 64.23 प्रतिशत है। प्राथमिक वस्तुओं में खाद्य सामग्री, गैर-खाद्य वस्तुएं, खनिज और कच्चा पेट्रोलियम शामिल हैं।

थोक महँगाई लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहने से उत्पादन क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसी स्थिति में उत्पादक बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं। सरकार केवल करों के माध्यम से ही थोक महंगाई को नियंत्रित कर सकती है। पहले कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के दौरान सरकार ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती की थी, हालांकि करों में कमी की भी एक सीमा होती है। थोक महंगाई में धातु, रसायन, प्लास्टिक, रबर तथा कारखानों से जुड़े अन्य उत्पादों का भार अधिक होता है।

देश में महँगाई दो आधारों पर मापी जाती है। खुदरा महंगाई उपभोक्ताओं द्वारा चुकाई जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है, जबकि थोक महंगाई उन कीमतों पर आधारित होती है, जिन पर थोक बाजार में एक व्यापारी दूसरे व्यापारी को वस्तुएं बेचता है। खुदरा महंगाई में खाद्य वस्तुओं, आवास, ईंधन तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं को शामिल किया जाता है।

रेनो ने डस्टर का नया एडवेंचर संस्करण उतारा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: रेनो इंडिया ने अपनी बहुउद्देशीय उपयोगिता वाहन डस्टर का नया एडवेंचर संस्करण भारतीय बाजार में पेश किया है। कंपनी के अनुसार इस विशेष संस्करण की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.99 लाख रुपये रखी गई है। इसका अनावरण भारत में फ्रांस के राजदूत थियरी मैथू और रेनो समूह इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन डेब्लेज़ ने फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर किया। कंपनी ने बताया कि यह संस्करण डस्टर की वर्षों से बनी मजबूत पहचान और ग्राहकों के साथ उसके जुड़ाव को समर्पित है। वाहन तीन इंजन विकल्पों में उपलब्ध है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 12.99 लाख

12.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत, तीन इंजन विकल्पों में उपलब्ध

रुपये, 13.99 लाख रुपये और 15.39 लाख रुपये है। इस विशेष संस्करण में लेह की स्थलाकृतियों से प्रेरित बाहरी सज्जा, अक्षांश-देशांतर अंकन, विशेष अलंकरण तथा प्रीमियम फर्श चटाइयों जैसी विशेष सुविधाएं दी गई हैं।